आज का पुरुषार्थ, 11 May 2022

From: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *"अपनी अंदर की शक्तियों की अनुभूतियों में खोये रहे "*

हम **सर्वशक्तिमान** बाप के संतान है। सर्वशक्तिमान के बच्चों का **शक्तिहीन** होना क्या अच्छा लगता है? वास्तव में हम भी बहुत शक्तिशाली है। मास्टर सर्वशक्तिमान है। परमात्म शक्तियाँ हमारे पास है। हमारे संकल्पों में बहुत ताकत होती है।

परन्तु हम स्वचिंतन में नहीं रहते तो माया हमें परेशान करती है। एक सुन्दर चीज़ जिसके चिन्तन में अपने को व्यस्त करे, **आठों शक्तियों** का चिंतन। और भी बहुत सारी शक्तियां है। उनका चिन्तन। उसमें busy रहेंगे तो माया हमें busy नहीं करेगी।

चिंतन इस तरह करें ...

" मैं मास्टर सर्वशक्तिमान हूँ .. सर्वशक्तिमान बाप ने मुझे अपनी सारी शक्तियां दे दी है ...

मेरे पास **सहनशक्ति** है .. परमात्म सहनशक्ति मुझे मिली हुई है .. मैं दुसरों के अपमान को, कटु व्यवहार को सहज ही सहन कर सकती हूँ ...

मेरे पास **समाने की शक्ति मिली है** .. संसार में जो भी देखती हूँ मैं उसे अपने अंदर समा सकता हूँ .. मुझे उसे बार-बार बाहर वर्णन करने की आवश्यकता नहीं .. **ज्ञान** को स्वयं में समाने की शक्ति भी मुझे मिली हुई है

मेरे पास **विस्तार को संकीर्ण करने की भी शक्ति है** .. चाहे मेरे मन में व्यर्थ का विस्तार चल रहा हो .. मैं सेकण्ड में उसे फूलस्टाप लगा सकता हूँ..

मुजे विस्तार अर्थात चिन्तन करने की भी शक्ति मिली है .. **चिन्तन अर्थात मनन करना** .. जहाँ मन है वहाँ मनन शक्ति है .... (परन्तु अगर मैं व्यर्थ में व्यस्त रहूँगा तो **श्रेष्ठ संकल्पों** का मनन नहीं हो सकेगा)

मेरे पास **परखने की शक्ति है** .. कोई भी मनुष्य चाहे बूरी भावना लेकर भी आये .. चाहे बूरी दृष्टिकोण से आये .. धोखा देने के संकल्प से आये .. मैं परमात्मा से प्राप्त **परख शक्ति** से तुरंत पहचान लूंगा ...

मेरे निर्णय भी पारफेक्ट है .. मुझे परमपिता से सम्पूर्ण और सुन्दर पारफेक्ट right निर्णय करने की शक्ति मिली है .. मेरा कोई निर्णय ग़लत हो ही नहीं सकता .. क्योंकि soul consciousness में रहने के कारण लिया हुआ निर्णय सदा कल्याणकारी होता है ...

मेरे पास परमपिता से प्राप्त **ज्ञान** की शक्ति है .. **Purity** की शक्ति है .. मेरे पास **प्रेम** की शक्ति है .. मेरे पास **सेवाओं** का बल है ...

बहुत शक्ति मुझे मिली है "

इसतरह स्वयं को श्रेष्ठ चिन्तन में रखें। तो व्यर्थ स्वतः ही समाप्त होगा। और जिन जिन शक्तियों का हम चिन्तन करेंगे, जिनको हम स्वीकार करेंगे कि .. " यह हमारे पास है " ... वह शक्ति बृद्धि को पाती रहेगी।

यह सूक्ष्म रहस्य हमें याद रहना चाहिए, क्योंकि वह हमारी शक्तियाँ, हमारे अंदर अन्तर्मन में या ब्रेन में सुसुप्त अवस्था में पड़ी रहती है। हम जैसे उनका चिन्तन करते, मानो उनको जगाते है या संकेत करते है ...

" **चलो अब सोओ नहीं** " ... और वह जगने लगते है। बार-बार जगाने से किसी की शक्तियाँ जगती है, किसी की शक्तियाँ दो-चार बार जगाने से ही जग जाती है।

तो आज सारा दिन हम बहुत अच्छा चिन्तन करेंगे ...

" मेरे पास सारी शक्तियाँ है .. मेरे पास सहनशक्ति है .. मेरे पास समाने की शक्ति है .. मेरे पास परखने की शक्ति है .. मेरे पास विस्तार को संकीर्ण करने की शक्ति है "

" मैं हूँ मास्टर सर्वशक्तिमान .. मेरे अंग अंग से शक्तियों की लाल किरणें चहुँ ओर फैल रही है "

।। ओम शान्ति ।।

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org